① Part-2

Class - VII, VIII

VIJAYANT
PAGE NO.:
DATE 25/04/2020

Sub. Sanskrit

प्रश्न निर्माण

प्रश्न निर्माण का अर्थ है, 'प्रश्न बनाना'

हम हमेशा प्रश्नों के उत्तर देते हैं, लेकिन यहाँ प्रश्न निर्माण में उत्तर के प्रश्न तैयार करना होता है। हिन्दी में हम बड़ी आसानी से प्रश्न बना लेते हैं, लेकिन वहीं संस्कृत में प्रश्न निर्माण करने में थोड़ी मुश्किल होती है। अतः इसे थोड़ा आसान बना लिया जाए।

नीचे हिन्दी व संस्कृत में प्रश्न सम्बन्धी शब्द हैं। जिसे आपको याद रखना है।

हिन्दी में प्रयोग होने वाले शब्द- क्या, कौन, किसे किसका, किसलिए, कहाँ, किसने आदि।

संस्कृत में प्रश्नों के लिए प्रयोग होने वाले शब्द- का, कः, किम्, किमर्थम्, कस्मिन्, कुत, कस्मैः केन, कस्मात्, कस्य आदि।

उदाहरण-

(1) सत्येन वाति वायुः। केन वाति वायुः?

(2) वसुन्धरा बहुरत्ना भवति। का बहुरत्ना भवति

(3) ताजमहल आगरा नगरे अस्ति
ताजमहल कुत्र अस्ति ?

व्याकरण
रूपाणि

मुख्य रूप से "रूप" दो प्रकार के होते हैं।
(1) शब्दरूप (२) धातुरूप
"धातु" जिसे हिन्दी में क्रिया कहते हैं।
इसका प्रयोग वाक्य के अन्त में होता है।
धातु रूप के विना वाक्य अधूरा होता है।
जैसे बालकः पठति।
मोहनः विद्यालयं गच्छति।

रूप
पठ् धातु (पढ़ना)
लट्लकार (वर्तमानकाल)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पठति	पठतः	पठन्ति
मध्यम पुरुष	पठसि	पठथः	पठथ
उत्तम पुरुष	पठामि	पठावः	पठामः

हिन्दी

वह के लिए- पढ़ता है	दो पढ़ते हैं	सब पढ़ते हैं
तुम के लिए- पढ़ते हो	दोनों पढ़ते हो	सब पढ़ते हो
मैं के लिए- पढ़ता हूँ	हम दो पढ़ते हैं	सब पढ़ते हैं

VIJAYANT
PAGE NO.:
DATE: 25/04/2020

धातु	अन्य उदाहरण
लिख्	लिखति (लिखता है)
गम्	गच्छति (जाता है)
गाय्	गायति (गाता है)
हस्	हसति (हँसता है)
नी	नयति (लाता है)
पा	पिबति (पीता है)
कृ	करोति (करता है)
भू	भवति (होता है)
दृश्	पश्यति (देखता है)

जैसे- सीता गीतं गायति।
सुरेशः हसति।

(1) ऊपर लिखे उदाहरण द्वारा प्रत्येक के दो-दो वाक्य बनाइए।

(2) "पठ्" धातु के समान अन्य धातु के रूप बनाइए

धन्यवाद

रचना चतुर्वेदी